चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....The Tribune.....

दिनांक 18.4.2021 पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....7-8.....

Research to be focus area: New HAU VC

TRIBUNE NEWS SERVICE

HISAR, APRIL 17

Prof BR Kamboj, the newly appointed Vice Chancellor of the Haryana Agricultural University (HAU), says his focus will be on better research and extension work for the farming community.

"I urge university scientists to undertake research keeping in view the problems and needs of farmers and the changing global climate. There is need to develop varieties of high-yielding crops and modify crop agronomical package and practices so that farmers can earn more," he told the media here today.

Prof Kamboj also emphasised that his objective would be to strengthen research and extension education so that students and farmers could get the maximum benefit.

He urged the youth to look for self-employment opportunities by acquiring training being imparted in the HAU. "The university is here to help you grow as an entrepreneur," the VC said.

HAU VC BR Kamboj talks to the media in Hisar on Saturday.

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम....दैनिक भास्कर....

दिनांक 18.4.2021...पृष्ठ संख्या..........कॉलम..........

बदलती भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रख अनुसंधान करें: कंबोज

एचएयू के नवनियुक्त कुलपति ने विश्वविद्यालय के लिए बताया अपना विजन

भास्कर न्यूज़| हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को प्रगति के पथ पर बढ़ते हुए नई ऊंचाइयों की ओर ले जाना ही मुख्य लक्ष्य होगा। इसके लिए काम को ही प्राथमिकता दी जाएगी।

उक्त विचार एचएयू के नवनियुक्त वीसी प्रोफेसर बीआर कंबोज ने कार्यभार संभालने के बाद मीडिया से रूबरू होते हुए कहे। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान रखता है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य किसान

पत्रकारों से रूबरू होते एचएयू के वीसी प्रोफेसर बी.आर. कंबोज।

समुदाय के लिए ओर अधिक बेहतर कार्य करने का होगा। उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे किसानों की समस्याओं व जरूरतों और बदलती भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखकर अनुसंधान कार्य करें और बदलते पर्यावरण के अनुसार ज्यादा पैदावार वाली फसलों की किस्में विकसित करें और फसलों की सस्य क्रियाओं को संशोधित करें ताकि किसानों को अधिक से अधिक फायदा मिल सके। उन्होंने कहा कि उनका जल संरक्षण के साथ-साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किसानों की आमदनी को दोगुना करने के लक्ष्य पर भी जोर रहेगा। उन्होंने कहा कि उनका मकसद शैक्षणिक, अनुसंधान व विस्तार शिक्षा की गतिविधियों को ओर मजबूत बनाना होगा ताकि विद्यार्थियों व किसानों को अधिक से अधिक फायदा हो सके।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........अमर उजाला........

दिनांक 18.4.2021 पृष्ठ संख्या......4...... कॉलम......3-8......

प्राथमिकताएं

पत्रकारों से रुबरू हुए एचएयू के नवनियुक्त कुलपति, कहा- विश्वविद्यालय को नई ऊंचाइयों पर ले जाना लक्ष्य

किसान समुदाय के लिए बेहतर कार्य करेंगे : प्रो. कंबोज

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को प्रगति के पथ पर बढ़ते हुए नई ऊंचाइयों की ओर ले जाना ही मुख्य लक्ष्य होगा। इसके लिए काम को ही प्राथमिकता दी जाएगी। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के नवनियुक्त कुलपति प्रो. बीआर कंबोज ने कार्यभार संभालने के बाद पत्रकार वार्ता के दौरान कही।

इन बिंदुओं पर रहेगा जोर

- किसानों की आमदनी को दोगुना करने के लक्ष्य पर जोर रहेगा।
- शैक्षणिक, अनुसंधान व विस्तार शिक्षा की गतिविधियों को मजबूत बनाना।
- किसानों को विश्वविद्यालय से अधिक से अधिक सुविधा मुहैया करवाना।
- विश्वविद्यालय के बाहरी केंद्रों पर शोध गतिविधियों को बढ़ावा देना।
- विद्यार्थियों को विदेशी तर्ज पर शिक्षा मुहैया करवाना।
- जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को किया जाएगा जागरूक।
- वैश्विक संस्थानों से ड्यूल डिग्री कोर्स के लिए प्रेरित किया जाएगा।

प्रो. बीआर कंबोज

विद्यार्थी से कुलपति तक के सफर में मिला सबका साथ

कुलपति प्रो. कंबोज ने कहा कि एक विद्यार्थी से लेकर विश्वविद्यालय के कुलपति बनने के सफर में किसानों और वैज्ञानिकों का भरपूर सहयोग मिला है। आशा है कि यूं ही सबका सहयोग मिलता रहेगा। विश्वविद्यालय के नाम व प्रसिद्धि के लिए सभी को सेवाभाव से मिलकर काम करना होगा, ताकि विश्वविद्यालय को प्रगति के शिखर पर ले जाएं। उन्होंने अपनी नियुक्ति पर प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल का आभार व्यक्त करते हुए कहा है कि उनके द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारी का वे बखूबी निर्वहन करेंगे और विश्वविद्यालय को नई ऊंचाईयों पर लेकर जाएंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी एवं विभागाध्यक्ष मौजूद रहे।

उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान रखता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य किसान समुदाय के लिए ओर अधिक बेहतर कार्य करने का होगा। उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे किसानों की समस्याओं व जरूरतों और बदलती भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखकर अनुसंधान कार्य करें और बदलते पर्यावरण के अनुसार ज्यादा पैदावार वाली फसलों की किस्में विकसित करें। वैज्ञानिक फसलों की सस्य क्रियाओं को भी संशोधित करें, ताकि किसानों को अधिक से अधिक फायदा मिल सके ।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक सवेरा.....

दिनांक 18.4.2021....पृष्ठ संख्या.....3.....कॉलम.....3.5.....

विश्वविद्यालय को नई ऊंचाइयों पर ले जाना ही लक्ष्य : प्रो. बी.आर. कंबोज

● प्रैस से रू-ब-रू हुए एचएयू के नवनियुक्त कुलपति, विश्वविद्यालय के लिए बताया अपना विजन

हिसार, 17 अप्रैल (सुरेंद्र सोढी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नवनियुक्त कुलपति प्रोफेसर बी.आर.कंबोज ने कार्यभार संभालने के बाद शनिवार को पत्रकारों से बातचीत की। इस मौके पर उन्होंने अपनी नियुक्ति पर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री मनोहर लाल का आभार व्यक्त करते हुए कहा है कि उनके द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारी का वे बखुबी निर्वहन करेंगे और विश्वविद्यालय को नई ऊंचाईयों पर लेकर जाएंगे।

हकृवि कुलपति प्रोफेसर बी.आर.कंबोज ने कहा कि यह विश्वविद्यालय अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान रखता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य किसान समुदाय के लिए ओर अधिक बेहतर कार्य करने का होगा। उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे किसानों की समस्याओं व जरूरतों और बदलती भौगोलिक परिस्थितयों को ध्यान में रखकर अनुसंधान कार्य करें और बदलते पर्यावरण के अनुसार ज्यादा पैदावार वाली फसलों की किस्में विकसित करें और फसलों की सस्य क्रियाओं को संशोधित करें। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी एवं विभागाध्यक्ष मौजूद रहे।

पत्रकारों से रूबरू होते विश्वविद्यालय के नवनियुक्त कुलपति प्रोफेसर बी.आर. कंबोज व अन्य।

जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को किया जाएगा जागरूक

कुलपति ने ग्रामीण व पिछड़े वर्ग के युवक- युवतियों से आह्वान किया कि वे विश्वविद्यालय में दिए जाने वाले विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण हासिल कर स्वरोजगार स्थापित करते हुए आत्मनिर्भर बनें। इसके बाद विश्वविद्यालय में एबिक केंद्र से जुडक़र अपने व्यवसाय को बढ़ाते हुए सफल उद्यमी बनें ताकि उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल सके। विश्वविद्यालय के कुलपति ने कहा कि विद्यार्थियों को विकसित देशों से जोडक़र ड्यूल डिग्री कोर्स के लिए प्रेरित किया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........हरि भूमि........

दिनांक 18.4.2021 पृष्ठ संख्या 16 कॉलम 2-8

हकृवि के नवनियुक्त कुलपति ने रखा विजन

विश्वविद्यालय को प्रगति के पथ पर बढ़ाते किसानों की आमदनी बढ़ाने और विद्यार्थियों की बेहतर शिक्षा पर रहेगा जोर : कंबोज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को प्रगति के पथ पर बढ़ते हुए नई ऊंचाइयों की ओर ले जाना ही मुख्य लक्ष्य होगा। इसके लिए काम को ही प्राथमिकता दी जाएगी। यह बात हकृवि के नवनियुक्त कुलपति प्रोफेसर बीआर कंबोज ने कार्यभार संभालने के बाद मीडिया से रूबरू होते हुए कही। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग पहचान रखता है। विवि का उद्देश्य किसान समुदाय के लिए और अधिक बेहतर कार्य करने का होगा। उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे किसानों की समस्याओं, जरूरतों और बदलती भौगोलिक परिस्थितयों को ध्यान में रखकर अनुसंधान कार्य करें।

किसानों की समस्याओं, जरूरतों को ध्यान में रखकर अनुसंधान करें

ज्यादा पैदावार वाली किस्में विकसित करें

बदलते पर्यावरण के अनुसार ज्यादा पैदावार वाली फसलों की किस्में विकसित करें और फसलों की सस्य क्रियाओं को स्थापित करें ताकि किसानों को फायदा मिल सके। उन्होंने कहा कि उनका जल संरक्षण के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के किसानों की आमदनी को दोगुना करने के लक्ष्य पर भी जोर रहेगा। उन्होंने कहा कि उनका मकसद शैक्षणिक, अनुसंधान व विस्तार शिक्षा की गतिविधियों को और मजबूत बनाना होगा।

हिसार। पत्रकारों से बातचीत करते नवनियुक्त कुलपति प्रोफेसर बीआर कंबोज व अन्य।

जैविक खेती के लिए किसानों को करेंगे प्रेरित

कम्बोज ने ग्रामीण तथा पिछड़े वर्ग के युवाओं से आह्वान किया कि वे विश्वविद्यालय में दिए जाने वाले विभिन्न प्रशिक्षण हासिल कर स्वरोजगार स्थापित कर आत्मनिर्भर बनें। इसके बाद विश्वविद्यालय में इंक्यूबेशन केंद्र से जुड़कर अपने व्यवसाय को बढ़ाते हुए सफल उद्यमी बनें ताकि उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल सके। कुलपति ने कहा कि विद्यार्थियों को विकसित देशों से जोड़कर ड्यूल डिग्री कोर्स के लिए प्रेरित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय में दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र खोला गया है जो रसायन रहित खेती करने में किसानों को जागरूक करने का काम करेगा। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के साथ सामूहिक रूप से अनुसंधान कार्य और विस्तार गतिविधियों के चलते उनके द्वारा की गई सिफारिशें को विश्वविद्यालय की समग्र सिफारिशों में शामिल किया गया है जो किसानों के लिए फायदेमंद साबित हुए हैं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी एवं विभागाध्यक्ष मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	**17.04.2021**	--	--

काम को प्राथमिकता देकर हकृवि को नई ऊंचाइयों की ओर ले जाना ही मुख्य लक्ष्य : प्रो. बीआर कंबोज

मीडिया से रूबरू हुए हकृवि के नवनियुक्त कुलपति प्रो. कंबोज बोले, किसानों की आर्थिक व सामाजिक दशा में हो सुधार

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को प्रगति के पथ पर बढ़ते हुए नई ऊंचाइयों की ओर ले जाना ही मुख्य लक्ष्य होगा। इसके लिए काम को ही प्राथमिकता दी जाएगी। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के नवनियुक्त कुलपति प्रोफेसर बी.आर.कंबोज ने कार्यभार संभालने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में मीडिया से रूबरू होते हुए कहे। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान रखता है।

उन्होंने जोर देकर कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य किसान समुदाय के लिए और अधिक बेहतर कार्य करने का होगा। उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे किसानों की समस्याओं व जरूरतों

और बदलती भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखकर अनुसंधान कार्य करें और बदलते पर्यावरण के अनुसार ज्यादा पैदावार वाली फसलों की किस्में विकसित करें और फसलों की मुख्य क्रियाओं को संशोधित करें ताकि किसानों को अधिक से अधिक फायदा मिल सके जिससे किसानों का आर्थिक व सामाजिक स्तर पर उत्थान होगा।

उनका जल संरक्षण के साथ-साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किसानों की आमदनी को दोगुणा करने के लक्ष्य पर भी जोर रहेगा। उन्होंने कहा कि उनका मकसद शैक्षणिक, अनुसंधान व विस्तार शिक्षा की गतिविधियों को और मजबूत बनाना होगा ताकि विद्यार्थियों व किसानों को अधिक से अधिक फायदा हो सके।

हकृवि से प्रशिक्षण हासिल कर बनें आत्मनिर्भर

उन्होंने ग्रामीण व पिछड़े वर्ग के युवक-युवतियों से आह्वान किया कि वे विश्वविद्यालय में दिए जाने वाले विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण हासिल कर स्वरोजगार स्थापित करते हुए आत्मनिर्भर बनें। इसके बाद विश्वविद्यालय में एकीकृत केंद्र से जुड़कर अपने व्यवसाय को बढ़ाते हुए सफल उद्यमी बनें ताकि उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल सके। विश्वविद्यालय के कुलपति ने कहा कि विद्यार्थियों को विकसित देशों से जोड़कर दुगुने डिग्री कोर्स के लिए प्रेरित किया जाएगा ताकि शिक्षा पूरी होने के बाद उनको पहचान विश्वस्तरीय हो सके।

कुलपति ने कहा, जिम्मेदारी का बेखूबी करेंगे निर्वहन

प्रोफेसर बी.आर.कंबोज ने अपनी नियुक्ति पर मुख्यमंत्री मनोहर लाल का आभार व्यक्त करते हुए कहा है कि उनके द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारी का वे बखूबी निर्वहन करेंगे और विश्वविद्यालय को नई ऊंचाईयों पर लेकर जाएंगे। उन्होंने कहा कि एक विद्यार्थी से लेकर विश्वविद्यालय के कुलपति बनने के सफर में किसानों और वैज्ञानिकों का भरपूर सहयोग मिला है। उन्हें आशा है कि पूं ही सबका सहयोग मिलता रहेगा। उनकी प्राथमिकता में किसानों को विश्वविद्यालय के सहयोग से अधिक से अधिक सुविधा मुहैया करवाना, विश्वविद्यालय के बाहरी केंद्रों पर शोध गतिविधियों को बढ़ावा देना, सकारात्मक सोच के साथ काम करना व विद्यार्थियों को रिटेली तर्ज पर शिक्षा मुहैया करवाना शामिल होंगे। कुलपति प्रोफेसर बी.आर. कंबोज ने कहा कि विश्वविद्यालय के नाम व प्रसिद्धि के लिए सभी को सेवाभाव से मिलकर काम करना होगा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी एवं विभागाध्यक्ष मौजूद रहे।

किसानों के लिए करेंगे ज्यादा से ज्यादा काम

नवनियुक्त कुलपति प्रोफेसर बी.आर.कंबोज ने कहा कि जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय में दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र खोला गया है जो रसायन रहित खेती करने में किसानों को जागरूक करने का काम करेगा। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के साथ सामूहिक रूप से अनुसंधान कार्य और विस्तार गतिविधियों के चलते उनके द्वारा की गई सिफारिशों को विश्वविद्यालय की समय सिफारिशों में शामिल किया गया है जो किसानों के लिए फायदेमंद साबित हुई हैं। इसलिए उनका किसानों को लेकर मकसद साफ है कि वे इस समुदाय के लिए ज्यादा से ज्यादा काम करेंगे ताकि देश के अन्नदाता की आर्थिक व सामाजिक स्थिति में और अधिक सुधार हो सके।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उत्तम हिन्दू	17.04.2021	--	--

विश्वविद्यालय को नई ऊंचाइयों पर ले जाना ही है लक्ष्य : प्रोफेसर बी.आर. कंबोज

उत्तम हिन्दू न्यूज नेटवर्क
हिसार/प्रवीन कुमार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार को प्रगति के पथ पर बढ़ते हुए नई ऊंचाइयों की ओर ले जाना ही मुख्य लक्ष्य होगा। इसके लिए काम को ही प्राथमिकता दी जाएगी। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के नवनियुक्त कुलपति प्रोफेसर बी.आर.कंबोज ने कार्यभार संभालने के बाद प्रेस कांफ्रेंस में मीडिया से रूबरू होते हुए कहे। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान रखता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य किसान समुदाय के लिए और अधिक बेहतर कार्य करने का होगा। उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे किसानों की समस्याओं व जरूरतों और बदलती भौगोलिक परिस्थितयों को ध्यान में रखकर अनुसंधान कार्य करें और बदलते पर्यावरण के अनुसार ज्यादा पैदावार वाली फसलों की किस्में विकसित करें और फसलों की सस्य क्रियाओं को संशोधित करें ताकि किसानों को अधिक से अधिक फायदा मिल सके जिससे किसानों का आर्थिक व सामाजिक स्तर पर उत्थान होगा। उन्होंने कहा कि उनका जल संरक्षण के साथ-साथ माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा किसानों की आमदनी को दोगुणा करने के लक्ष्य पर भी जोर रहेगा। उन्होंने कहा कि उनका मकसद शैक्षणिक, अनुसंधान व विस्तार शिक्षा की गतिविधियों को ओर मजबूत बनाना होगा ताकि विद्यार्थियों व किसानों को अधिक से अधिक फायदा हो सके।

विद्यार्थी से कुलपति तक के सफर में मिला सबका साथ

उन्होंने कहा कि एक विद्यार्थी से लेकर विश्वविद्यालय के कुलपति बनने के सफर में किसानों और वैज्ञानिकों का भरपूर सहयोग मिला है। उन्हें आशा है कि यूं ही सबका सहयोग मिलता रहेगा। उनकी प्राथमिकता में किसानों को विश्वविद्यालय के सहयोग से अधिक से अधिक सुविधा मुहैया करवाना, विश्वविद्यालय के बाहरी केंद्रों पर शोध गतिविधियों को बढ़ावा दे... के साथ ... को विदे... मुहैया करवाना शामिल होंगे। कुलपति प्रोफेसर बी.आर. कंबोज ने कहा कि विश्वविद्यालय के नाम व प्रसिद्धि के लिए सभी को सेवाभाव से मिलकर काम करना होगा ताकि विश्वविद्यालय को प्रगति के शिखर पर ले जाएं।

6 / 12

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	17.04.2021	--	--

विश्वविद्यालय को नई ऊंचाइयों पर ले जाना ही है लक्ष्य : प्रोफेसर बी.आर. कंबोज

किसानों की आर्थिक व सामाजिक दशा में हो सुधार, साथ ही विद्यार्थियों को मिले अंतरराष्ट्रीय स्तर की शिक्षा

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 17 अप्रैल : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार को प्रगति के पथ पर बढ़ते हुए नई ऊंचाइयों की ओर ले जाना ही मुख्य लक्ष्य होगा। इसके लिए काम को ही प्राथमिकता दी जाएगी। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के नवनियुक्त कुलपति प्रोफेसर बी.आर.कंबोज ने कार्यभार संभालने के बाद प्रेस कांफ्रेंस में मीडिया से रूबरू होते हुए कहे। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान रखता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य किसान समुदाय के लिए और अधिक बेहतर कार्य करने का होगा। उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से आहवान किया कि वे किसानों की समस्याओं व जरूरतों और बदलती भौगोलिक परिस्थितयों को ध्यान में रखकर अनुसंधान कार्य करें और बदलते पर्यावरण के अनुसार ज्यादा पैदावार वाली फसलों की किस्में विकसित करें और फसलों की सस्य क्रियाओं को संशोधित करें ताकि किसानों को अधिक से अधिक फायदा मिल सके जिससे किसानों का आर्थिक व सामाजिक स्तर पर उत्थान होगा। उन्होंने कहा कि उनका जल संरक्षण के साथ-साथ माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा किसानों की आमदनी को दोगुणा करने के लक्ष्य पर भी जोर रहेगा। उन्होंने कहा कि उनका मकसद शैक्षणिक, अनुसंधान व विस्तार शिक्षा की गतिविधियों को ओर मजबूत बनाना होगा ताकि विद्यार्थियों व किसानों को अधिक से अधिक फायदा हो सके। उन्होंने ग्रामीण व पिछड़े वर्ग के युवक-युवतियों से आहवान किया कि वे विश्वविद्यालय में दिए जाने वाले विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण हासिल कर स्वरोजगार स्थापित करते हुए आत्मनिर्भर बनें। इसके बाद विश्वविद्यालय में एबिक केंद्र से जुड़कर अपने व्यवसाय को बढ़ाते हुए सफल उद्यमी बनें ताकि उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल सके। विश्वविद्यालय के कुलपति ने

कहा कि विद्यार्थियों को विकसित देशों से जोड़कर ड्युल डिग्री कोर्स के लिए प्रेरित किया जाएगा ताकि शिक्षा पूरी होने के बाद उनकी पहचान विश्वस्तरीय हो सके। उन्होंने कहा कि जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय में दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र खोला गया है जो रसायन रहित खेती करने में किसानों को जागरूक करने का काम करेगा। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के साथ सामूहिक रूप से अनुसंधान कार्य और विस्तार गतिविधियों के चलते उनके द्वारा की गई सिफारिशों को विश्वविद्यालय की समग्र सिफारिशों में शामिल किया गया है जो किसानों के लिए फायदेमंद साबित हुए हैं। इसलिए उनका किसानों को लेकर मकसद साफ है कि वे इस समुदाय के लिए ज्यादा से ज्यादा काम करेंगे ताकि देश के अन्नदाता की आर्थिक व सामाजिक स्थिति में ओर अधिक सुधार हो सके। उन्होंने अपनी नियुक्ति पर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल जी का आभार व्यक्त करते हुए कहा है कि उनके द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारी का वे बखुबी निर्वहन करेंगे और विश्वविद्यालय को नई ऊंचाईयों पर लेकर जाएंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी एवं विभागाध्यक्ष मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पल पल	17.04.2021	--	--

विश्वविद्यालय को नई ऊंचाइयों पर ले जाना ही है लक्ष्य : प्रो. कंबोज

पल पल न्यूज: हिसार, 17 अप्रैल। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार को प्रगति के पथ पर बढ़ते हुए नई ऊंचाइयों की ओर ले जाना ही मुख्य लक्ष्य होगा। इसके लिए काम को ही प्राथमिकता दी जाएगी। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के नवनियुक्त कुलपति प्रोफेसर बी.आर.कंबोज ने कार्यभार संभालने के बाद प्रेस कांफ्रेंस में मीडिया से रूबरू होते हुए कहे। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान रखता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य किसान समुदाय के लिए और अधिक बेहतर कार्य करने का होगा।

उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे किसानों की समस्याओं व जरूरतों और बदलती भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखकर अनुसंधान कार्य करें और बदलते पर्यावरण के अनुसार ज्यादा पैदावार वाली फसलों की किस्में विकसित करें और फसलों की सस्य क्रियाओं को संशोधित करें ताकि किसानों को अधिक से अधिक फायदा मिल सके जिससे किसानों का आर्थिक व सामाजिक स्तर पर उत्थान होगा। उन्होंने कहा कि उनका जल संरक्षण के साथ-साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किसानों की आमदनी को दोगुणा करने के लक्ष्य पर भी जोर रहेगा। उन्होंने कहा कि उनका मकसद शैक्षणिक, अनुसंधान व विस्तार शिक्षा की गतिविधियों को ओर मजबूत बनाना होगा ताकि विद्यार्थियों व किसानों को अधिक से अधिक फायदा हो सके।

विद्यार्थी से कुलपति तक के सफर में मिला सबका साथ

उन्होंने कहा कि एक विद्यार्थी से लेकर विश्वविद्यालय के कुलपति बनने के सफर में किसानों और वैज्ञानिकों का भरपूर सहयोग मिला है। उन्हें आशा है कि यूं ही सबका सहयोग मिलता रहेगा। उनकी प्राथमिकता में किसानों को विश्वविद्यालय के सहयोग से अधिक से अधिक सुविधा मुहैया करवाना, विश्वविद्यालय के बाहरी केंद्रों पर शोध गतिविधियों को बढ़ावा देना, सकारात्मक सोच के साथ काम करना व विद्यार्थियों को विदेशी तर्ज पर शिक्षा मुहैया करवाना शामिल होंगे। कुलपति प्रोफेसर बी.आर. कंबोज ने कहा कि विश्वविद्यालय के नाम व प्रसिद्धि के लिए सभी को सेवाभाव से मिलकर काम करना होगा ताकि विश्वविद्यालय को प्रगति के शिखर पर ले जाएं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिसार टूडे	17.04.2021	--	--

विश्वविद्यालय को नई ऊंचाइयों पर ले जाना ही है लक्ष्य : प्रो. बी.आर. कंबोज

प्रेस से रूबरू हुए एचएयू के नवनियुक्त कुलपति, विश्वविद्यालय के लिए बताया अपना विजन

टुडे न्यूज़ हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार को प्रगति के पथ पर बढ़ते हुए नई ऊंचाइयों की ओर ले जाना ही मुख्य लक्ष्य होगा। इसके लिए काम को ही प्राथमिकता दी जाएगी।

उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के नवनियुक्त कुलपति प्रोफेसर बी.आर कम्बोज ने कार्यभार संभालने के बाद प्रेस कांफ्रेंस में मीडिया से रूबरू होते हुए कहे। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान रखता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य किसान समुदाय के लिए और अधिक बेहतर कार्य करने का होगा। उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे किसानों की समस्याओं व जरूरतों और बदलती भौगोलिक परिस्थितयों को ध्यान में रखकर अनुसंधान कार्य करें और

पत्रकारों से रूबरू होते विश्वविद्यालय के नवनियुक्त कुलपति प्रोफेसर बी.आर. कंबोज व अन्य।

बदलते पर्यावरण के अनुसार ज्यादा पैदावार वाली फसलों की किस्में विकसित करें और फसलों की सस्य क्रियाओं को संशोधित करें ताकि किसानों को अधिक से अधिक फायदा मिल सके जिससे किसानों का आर्थिक व सामाजिक स्तर पर उत्थान होगा। उन्होंने कहा कि उनका मकसद शैक्षणिक, अनुसंधान व विस्तार शिक्षा की गतिविधियों को और मजबूत बनाना होगा ताकि विद्यार्थियों व किसानों को अधिक से अधिक फायदा हो सके। उन्होंने कहा कि एक विद्यार्थी से लेकर विश्वविद्यालय के कुलपति बनने के सफर में किसानों और वैज्ञानिकों का भरपूर सहयोग मिला है। उन्हें आशा है कि यूं ही सबका सहयोग मिलता रहेगा। उनकी प्राथमिकता में किसानों को विश्वविद्यालय के सहयोग से अधिक से अधिक सुविधा मुहैया करवाना, विश्वविद्यालय के बाहरी केंद्रों पर शोध गतिविधियों को बढ़ावा देना, सकारात्मक सोच के साथ काम करना व विद्यार्थियों को विदेशी तर्ज पर शिक्षा मुहैया करवाना शामिल होंगे।

जैविक खेती के लिए किसानों को किया जाएगा जागरूक

उन्होंने ग्रामीण व पिछड़े वर्ग के युवक-युवतियों से आह्वान किया कि वे विश्वविद्यालय में दिए जाने वाले विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण हासिल कर स्वरोजगार स्थापित करते हुए आत्मनिर्भर बनें। इसके बाद विश्वविद्यालय में एबिक केंद्र से जुड़कर अपने व्यवसाय को बढ़ाते हुए सफल उद्यमी बनें ताकि उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल सके। विश्वविद्यालय के कुलपति ने कहा कि विद्यार्थियों को विकसित देशों से जोड़कर ड्यूल डिग्री कोर्स के लिए प्रेरित किया जाएगा ताकि शिक्षा पूरी होने के बाद उनकी पहचान विश्वस्तरीय हो सके। उन्होंने कहा कि जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय में दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र खोला गया है जो रसायन रहित खेती करने में किसानों को जागरूक करने का काम करेगा। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के साथ सामूहिक रूप से अनुसंधान कार्य और ... इसलिए उनका किसानों को लेकर मकसद साफ है कि वे इस समुदाय के लिए ज्यादा से ज्यादा काम करेंगे ताकि देश के अन्नदाता की आर्थिक व सामाजिक स्थिति में और अधिक सुधार हो सके। उन्होंने अपनी नियुक्ति पर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल जी का आभार व्यक्त करते हुए कहा है कि उनके द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारी का वे बखूबी निर्वहन करेंगे और विश्वविद्यालय को नई ऊंचाईयों पर लेकर जाएंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी एवं विभागाध्यक्ष मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिरसा टुडे	17.04.2021	--	--

विश्वविद्यालय को नई ऊंचाइयों पर ले जाना ही है लक्ष्य : प्रो. कंबोज

प्रेस से रूबरू हुए एचएयू के नवनियुक्त कुलपति, विश्वविद्यालय के लिए बताया अपना विजन

हिसार | सिरसा टुडे

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार को प्रगति के पथ पर बढ़ते हुए नई ऊंचाइयों की ओर ले जाना ही मुख्य लक्ष्य होगा। इसके लिए काम को ही प्राथमिकता दी जाएगी। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के नवनियुक्त कुलपति प्रोफेसर बी.आर.कंबोज ने कार्यभार संभालने के बाद प्रेस कांफ्रेंस में मीडिया से रूबरू होते हुए कहे। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान रखता है। उन्होंने जोर देकर

कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य किसान समुदाय के लिए और अधिक बेहतर कार्य करने का होगा। उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे किसानों की समस्याओं व जरूरतों और बदलती भौगोलिक परिस्थितयों को ध्यान में रखकर अनुसंधान कार्य करें और बदलते पर्यावरण के अनुसार ज्यादा पैदावार वाली फसलों की किस्में विकसित करें और फसलों की सस्य क्रियाओं को संशोधित करें ताकि किसानों को अधिक से अधिक फायदा मिल सके जिससे किसानों का आर्थिक व सामाजिक स्तर पर उत्थान होगा। उन्होंने कहा कि उनका जल संरक्षण के साथ-साथ माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किसानों की आमदनी को दोगुणा करने के लक्ष्य पर भी जोर रहेगा। उन्होंने कहा कि उनका मकसद शैक्षणिक, अनुसंधान व विस्तार शिक्षा की गतिविधियों को ओर मजबूत बनाना होगा ताकि विद्यार्थियों व किसानों को अधिक से अधिक फायदा हो सके।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	17.04.2021	--	--

हकृवि को नई ऊंचाइयों पर ले जाना ही मुख्य लक्ष्य : कम्बोज

हिसार/17 अप्रैल/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को प्रगति के पथ पर बढ़ते हुए नई ऊंचाइयों की ओर ले जाना ही मुख्य लक्ष्य होगा। इसके लिए काम को ही प्राथमिकता दी जाएगी। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नवनियुक्त कुलपति प्रोफेसर बीआर कंबोज ने कार्यभार संभालने के बाद आज मीडिया से रूबरू होते हुए कहे। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान रखता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य किसान समुदाय के लिए और अधिक बेहतर कार्य करने का होगा। उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे किसानों की समस्याओं व जरूरतों और बदलती भौगोलिक परिस्थितयों को ध्यान में रखकर अनुसंधान कार्य करें और बदलते पर्यावरण के अनुसार ज्यादा पैदावार वाली फसलों की किस्में विकसित करें और फसलों की सस्य क्रियाओं को संशोधित करें ताकि किसानों को अधिक से अधिक फायदा मिल सके जिससे किसानों का आर्थिक व सामाजिक स्तर पर उत्थान होगा। उन्होंने कहा कि

उनका जल संरक्षण के साथ-साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किसानों की आमदनी को दोगुणा करने के लक्ष्य पर भी जोर रहेगा। उन्होंने कहा कि उनका मकसद शैक्षणिक, अनुसंधान व विस्तार शिक्षा की गतिविधियों को ओर मजबूत बनाना होगा ताकि विद्यार्थियों व किसानों को अधिक से अधिक फायदा हो सके। उन्होंने कहा कि एक विद्यार्थी से लेकर विश्वविद्यालय के कुलपति बनने के सफर में किसानों और वैज्ञानिकों का भरपूर सहयोग मिला है। उन्हें आशा है कि यूं ही सबका सहयोग मिलता रहेगा। उनकी प्राथमिकता में किसानों को विश्वविद्यालय के सहयोग से अधिक से अधिक सुविधा मुहैया करवाना, विश्वविद्यालय के बाहरी केंद्रों पर शोध गतिविधियों को बढ़ावा देना, सकारात्मक सोच के साथ काम करना व विद्यार्थियों को विदेशी तर्ज पर शिक्षा मुहैया करवाना शामिल होंगे। कुलपति प्रोफेसर बीआर कंबोज ने कहा कि विश्वविद्यालय के नाम व प्रसिद्धि के लिए सभी को सेवाभाव से मिलकर काम करना होगा ताकि विश्वविद्यालय को प्रगति के शिखर पर ले जाएं। उन्होंने ग्रामीण व पिछड़े वर्ग के युवक-युवतियों से आह्वान किया कि वे विश्वविद्यालय में दिए जाने वाले विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण हासिल कर स्वरोजगार स्थापित करते हुए आत्मनिर्भर बनें। इसके बाद विश्वविद्यालय में एबिक केंद्र से जुड़कर अपने व्यवसाय को बढ़ाते हुए सफल उद्यमी बनें ताकि उन्हें अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल सके। विश्वविद्यालय के कुलपति ने कहा कि विद्यार्थियों को विकसित देशों से जोड़कर ड्यूल डिग्री कोर्स के लिए प्रेरित किया जाएगा ताकि शिक्षा पूरी होने के बाद उनकी पहचान विश्वस्तरीय हो सके।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूं	17.04.2021	--	--

विश्वविद्यालय को नई ऊंचाइयों पर ले जाना ही है लक्ष्य : प्रोफेसर बीआर कंबोज

सच कहूँ/संदीप सिंहमार

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार को प्रगति के पथ पर बढ़ते हुए नई ऊंचाइयों की ओर ले जाना ही मुख्य लक्ष्य होगा। इसके लिए काम को ही प्राथमिकता दी जाएगी। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के नवनियुक्त कुलपति प्रोफेसर बी.आर.कंबोज ने कार्यभार संभालने के बाद प्रेस कांफ्रेंस में मीडिया से रूबरू होते हुए कही। उन्होंने कहा कि वह विश्वविद्यालय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान रखता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य किसान समुदाय के लिए और अधिक बेहतर काम करने का होगा। उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे किसानों की समस्याओं व जरूरतों और बदलती भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखकर अनुसंधान कार्य करें और बदलते पर्यावरण के अनुसार ज्यादा पैदावार वाली फसलों की किस्में विकसित करें और फसलों की सस्य क्रियाओं को संशोधित करें ताकि किसानों को अधिक से अधिक फायदा मिल सके जिससे किसानों का आर्थिक व सामाजिक स्तर पर उत्थान होगा। उन्होंने कहा कि उनका जल संरक्षण के साथ-साथ माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किसानों की आमदनी को दोगुणा करने के लक्ष्य पर भी जोर रहेगा। उन्होंने कहा कि उनका मकसद शैक्षणिक, अनुसंधान व विस्तार शिक्षा की गतिविधियों को और मजबूत बनाना होगा ताकि विद्यार्थियों व किसानों को अधिक से अधिक फायदा हो सके।

जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को किया जाएगा जागरूक

कुलपति प्रोफेसर बी.आर.कंबोज ने ग्रामीण व पिछड़े वर्ग के युवक-युवतियों से आह्वान किया कि वे विश्वविद्यालय में दिए जाने वाले विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण हासिल कर स्वरोजगार स्थापित करते हुए आत्मनिर्भर बनें। इसके बाद विश्वविद्यालय में एकिक केंद्र से जुड़कर अपने व्यवसाय को बढ़ाते हुए सफल उद्यमी बनें ताकि उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल सके। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी एवं विभागाध्यक्ष मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
गुड़गांव मैल	17.04.2021	--	--

विश्वविद्यालय को नई ऊंचाइयों पर ले जाना ही है लक्ष्य : प्रो. बीआर कंबोज

ब्यूरो/गुड़गांव मेल

हिसार, 17 अप्रैल। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार को प्रगति के पथ पर बढ़ते हुए नई ऊंचाइयों की ओर ले जाना ही मुख्य लक्ष्य होगा। इसके लिए काम को ही प्राथमिकता दी जाएगी।

उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के नवनियुक्त कुलपति प्रोफेसर बी.आर.कंबोज ने कार्यभार संभालने के बाद प्रेस कांफ्रेंस में मीडिया से रूबरू होते हुए कहे। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान रखता है।

उन्होंने जोर देकर कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य किसान समुदाय के लिए ओर अधिक बेहतर कार्य करने का होगा। उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे किसानों की समस्याओं व जरूरतों और बदलती भौगोलिक परिस्थितयों को ध्यान में रखकर अनुसंधान कार्य करें और बदलते पर्यावरण के अनुसार ज्यादा पैदावार वाली फसलों की किस्में विकसित करें और फसलों की सस्य क्रियाओं को संशोधित करें ताकि किसानों को अधिक से अधिक फायदा मिल सके जिससे किसानों का आर्थिक व सामाजिक स्तर पर उत्थान होगा।

उन्होंने कहा कि उनका जल संरक्षण के साथ-साथ माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा किसानों की आमदनी को दोगुणा करने के लक्ष्य पर भी जोर रहेगा। उन्होंने कहा कि उनका मकसद शैक्षणिक, अनुसंधान व विस्तार शिक्षा की गतिविधियों को और मजबूत बनाना होगा ताकि विद्यार्थियों व किसानों को अधिक से अधिक फायदा हो सके।

विद्यार्थी से कुलपति तक के सफर में मिला सबका साथ

उन्होंने कहा कि एक विद्यार्थी से लेकर विश्वविद्यालय के कुलपति बनने के सफर में किसानों और वैज्ञानिकों का भरपूर सहयोग मिला है। उन्हें आशा है कि यूं ही सबका सहयोग मिलता रहेगा। उनकी प्राथमिकता में किसानों को विश्वविद्यालय के सहयोग से अधिक से अधिक सुविधा मुहैया करवाना, विश्वविद्यालय के बाहरी केंद्रों पर शोध गतिविधियों को बढ़ावा देना, सकारात्मक सोच के साथ काम करना व विद्यार्थियों को विदेशी तर्ज पर शिक्षा मुहैया करवाना शामिल होंगे। कुलपति प्रोफेसर बी.आर. कंबोज ने कहा कि विश्वविद्यालय के नाम व प्रसिद्धि के लिए सभी को सेवाभाव से मिलकर काम करना होगा ताकि विश्वविद्यालय को प्रगति के शिखर पर ले जाएं।

जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को किया जाएगा जागरूक

उन्होंने ग्रामीण व पिछड़े वर्ग के युवक-युवतियों से आह्वान किया कि वे विश्वविद्यालय में दिए जाने वाले विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण हासिल कर स्वरोजगार स्थापित करते हुए आत्मनिर्भर बनें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी दिल्ली	18.04.2021	--	--

विवि को नई ऊंचाइयों पर ले जाना ही लक्ष्य

हिसार, राज पराशर (पंजाब केसरी)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार को प्रगति के पथ पर बढ़ते हुए नई ऊंचाइयों की ओर ले जाना ही मुख्य लक्ष्य होगा। इसके लिए काम को ही प्राथमिकता दी जाएगी।

यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नवनियुक्त कुलपति प्रोफैसर बीआर कंबोज ने कार्यभार संभालने के बाद प्रेस कांफ्रैंस में मीडिया से रूबरू होते हुए कहे। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान रखता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य किसान समुदाय के लिए और अधिक बेहतर कार्य करने का होगा। उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे किसानों की समस्याओं

- **किसानों की आर्थिक व सामाजिक दशा में हो सुधार, साथ ही विद्यार्थियों को मिले अंतर्राष्ट्रीय स्तर की शिक्षा**

व जरूरतों और बदलती भौगोलिक परिस्थितयों को ध्यान में रखकर अनुसंधान कार्य करें और बदलते पर्यावरण के अनुसार ज्यादा पैदावार वाली फसलों की किस्में विकसित करें और फसलों की सस्य क्रियाओं को संशोधित करें ताकि किसानों को अधिक से अधिक फायदा मिल सके जिससे किसानों का आर्थिक व सामाजिक स्तर पर उत्थान होगा। उन्होंने कहा कि उनका मकसद शैक्षणिक, अनुसंधान व विस्तार शिक्षा की गतिविधियों को ओर मजबूत बनाना होगा ताकि विद्यार्थियों व किसानों को अधिक से अधिक फायदा हो सके।

विद्यार्थी से कुलपति तक के सफर में मिला सबका साथ: प्रो. कंबोज ने कहा कि एक विद्यार्थी से लेकर विश्वविद्यालय के कुलपति बनने के सफर में किसानों और वैज्ञानिकों का भरपूर सहयोग मिला है। उन्हें आशा है कि यूं ही सबका सहयोग मिलता रहेगा। उनकी प्राथमिकता में किसानों को विश्वविद्यालय के सहयोग से अधिक से अधिक सुविधा मुहैया करवाना, विश्वविद्यालय के बाहरी केंद्रों पर शोध गतिविधियों को बढ़ावा देना, सकारात्मक सोच के साथ काम करना व विद्यार्थियों को विदेशी तर्ज पर शिक्षा मुहैया करवाना शामिल होंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	**17.04.2021**	--	--

विश्वविद्यालय को नई ऊंचाइयों पर ले जाना ही है लक्ष्य : कंबोज

हिसार। पत्रकारों से रूबरू होते विश्वविद्यालय के नवनियुक्त कुलपति प्रो. बी.आर. कंबोज।

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के नवनियुक्त कुलपति डॉ. बलदेव राज कम्बोज का स्वागत करते हुए डॉ. अशोक गोदारा एसोसिएट डायरेक्टर ट्रेनिंग, डॉ. ओपी बिश्नोई वरिष्ठ गेहूं वैज्ञानिक व डॉ. मदन खीचड़, अध्यक्ष कृषि मौसम विज्ञान विभाग।

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार को प्रगति के पथ पर चलते हुए नई ऊंचाइयों की ओर ले जाना ही मुख्य लक्ष्य होगा। इसके लिए काम को ही प्राथमिकता दी जाएगी। उक्त विचार विश्वविद्यालय के नवनियुक्त कुलपति प्रो. बी. आर. कंबोज ने कार्यभार संभालने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में मीडिया से रूबरू होते हुए कहे। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान रखता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य किसान समुदाय के लिए और अधिक बेहतर कार्य करने का होगा। उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे किसानों की समस्याओं व जरूरतों और बदलती भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखकर अनुसंधान कार्य करें और बदलते पर्यावरण के अनुसार ज्यादा पैदावार वाली फसलों की किस्में विकसित करें और फसलों की सस्य क्रियाओं को संशोधित करें ताकि किसानों को अधिक से अधिक फायदा मिल सके जिससे किसानों का आर्थिक व सामाजिक स्तर पर उत्थान होगा।

उन्होंने ग्रामीण व पिछड़े वर्ग के युवक युवतियों से आह्वान किया कि वे विश्वविद्यालय में दिए जाने वाले विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण हासिल कर स्वरोजगार स्थापित करते हुए आत्मनिर्भर बनें। इसके बाद विश्वविद्यालय में एबिक केंद्र से जुड़कर अपने व्यवसाय को बढ़ाते हुए सफल उद्यमी बनें ताकि उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल सके। विश्वविद्यालय के कुलपति ने कहा कि विद्यार्थियों को विकसित देशों से जोड़कर डुअल डिग्री कोर्स के लिए प्रेरित किया जाएगा ताकि शिक्षा पूरी होने के बाद उनकी पहचान विश्वस्तरीय हो सके। उन्होंने कहा कि जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय में दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र खोला गया है जो रसायन रहित खेती करने में किसानों को जागरूक करने का काम करेगा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी एवं विभागाध्यक्ष मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
एच आर बेकिंग	**18.04.2021**	--	--

रविवार ● 18.04.2021
www.hrbreakingnews.com
हरियाणा

विश्वविद्यालय को नई ऊंचाइयों पर ले जाना ही है लक्ष्य : प्रोफेसर बी.आर. कंबोज

एचआर ब्रेकिंग न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार को प्रगति के पथ पर बढ़ते हुए नई ऊंचाइयों की ओर ले जाना ही मुख्य लक्ष्य होगा। इसके लिए काम को ही प्राथमिकता दी जाएगी। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के नवनियुक्त कुलपति प्रोफेसर बी.आर.कंबोज ने कार्यभार संभालने के बाद मीडिया से रूबरू होते हुए कहे।

उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान रखता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य किसान समुदाय के लिए और अधिक बेहतर कार्य करने का होगा। उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे किसानों की समस्याओं व जरूरतों और बदलती भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखकर अनुसंधान कार्य करें और बदलते पर्यावरण के अनुसार ज्यादा पैदावार वाली फसलों की किस्में विकसित करें और फसलों की सस्य क्रियाओं को संशोधित करें ताकि किसानों को अधिक से अधिक फायदा मिल सके जिससे किसानों का आर्थिक व सामाजिक स्तर पर उत्थान होगा। उन्होंने कहा कि उनका जल संरक्षण के साथ-साथ माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किसानों की आमदनी को दोगुणा करने के लक्ष्य पर भी जोर रहेगा।

पत्रकारों से रूबरू होते विश्वविद्यालय के नवनियुक्त कुलपति प्रोफेसर बी.आर. कंबोज व अन्य।

उन्होंने कहा कि उनका मकसद शैक्षणिक, अनुसंधान व विस्तार शिक्षा की गतिविधियों को और मजबूत बनाना होगा ताकि विद्यार्थियों व किसानों को अधिक से अधिक फायदा हो सके।

विद्यार्थी से कुलपति तक के सफर में मिला सबका साथ : उन्होंने कहा कि एक विद्यार्थी से लेकर विश्वविद्यालय के कुलपति बनने के सफर में किसानों और वैज्ञानिकों का भरपूर सहयोग मिला है। उन्हें आशा है कि यू ही सबका सहयोग मिलता रहेगा। उनकी प्राथमिकता में किसानों को विश्वविद्यालय के सहयोग से अधिक से अधिक सुविधा मुहैया करवाना, विश्वविद्यालय के बाहरी केंद्रों पर शोध गतिविधियों को बढ़ावा देना, सकारात्मक सोच के साथ काम करना व विद्यार्थियों को विदेशी तर्ज पर शिक्षा मुहैया करवाना शामिल होंगे। कुलपति प्रोफेसर बी.आर. कंबोज ने कहा कि विश्वविद्यालय के नाम व प्रसिद्धि के लिए सभी को सेवाभाव से मिलकर काम करना होगा ताकि विश्वविद्यालय को प्रगति के शिखर पर ले जाएं।

जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को किया जाएगा जागरूक : उन्होंने ग्रामीण व पिछड़े वर्ग के युवक-युवतियों से आह्वान किया कि वे विश्वविद्यालय में दिए जाने वाले विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण हासिल कर स्वरोजगार स्थापित करते हुए आत्मनिर्भर बनें। इसके बाद विश्वविद्यालय में एंबिक केंद्र से जुड़कर अपने व्यवसाय को बढ़ाते हुए सफल उद्यमी बनें ताकि उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल सके। विश्वविद्यालय के कुलपति ने कहा कि विद्यार्थियों को विकसित देशों से जोड़कर ड्यूल डिग्री कोर्स

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरियाणा वाटिका न्यूज	18.04.2021	--	--

विश्वविद्यालय को प्रगति के पथ पर ले जाना लक्ष्य : प्रोफेसर बी.आर. कंबोज

वाटिका@हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार को प्रगति के पथ पर बढ़ते हुए नई ऊंचाइयों की ओर ले जाना ही मुख्य लक्ष्य होगा। इसके लिए काम को ही प्राथमिकता दी जाएगी। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के नवनियुक्त कुलपति प्रोफेसर बी.आर.कंबोज ने कार्यभार संभालने के बाद प्रेस कांफ्रेंस में मीडिया से रूबरू होते हुए कहे। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान रखता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य किसान समुदाय के लिए और अधिक बेहतर कार्य करने का होगा। उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे किसानों की समस्याओं व जरूरतों और बदलती भौगोलिक परिस्थितयों को ध्यान में रखकर अनुसंधान कार्य करें और बदलते पर्यावरण के अनुसार ज्यादा पैदावार वाली फसलों की किस्में विकसित करें और फसलों की सस्य क्रियाओं को संशोधित करें ताकि किसानों को अधिक से अधिक फायदा मिल सके जिससे किसानों का आर्थिक व सामाजिक स्तर पर उत्थान होगा। उन्होंने कहा कि उनका जल संरक्षण के साथ-साथ माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा किसानों की आमदनी को दोगुणा करने के लक्ष्य पर भी जोर रहेगा। उन्होंने कहा कि उनका मकसद शैक्षणिक, अनुसंधान व विस्तार शिक्षा की गतिविधियों को ओर मजबूत बनाना होगा ताकि विद्यार्थियों व किसानों को अधिक से अधिक फायदा हो सके।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक सवेरा.....

दिनांक 18.4.2021....पृष्ठ संख्या.....3.....कॉलम.....3-8.....

किसानों की बल्ले बल्ले : फॉर्मर कोल करेगा किसानों की आय दोगुणा

हिसार के युवा वैज्ञानिकों ने पराली व गाय के गोबर से तैयार किया कोयला

हिसार, 17 अप्रैल (सुरेंद्र सोढी) : पर्यावरण प्रदूषण को लेकर पराली जलाने में किसानों व सरकार के बीच जारी खींचतान अब जल्द ही सुलझ सकती है। हिसार के दो युवा वैज्ञानिकों ने फॉर्मर कोल के रूप में इस समस्या का समाधान निकाला है। गोबर व पराली के मिश्रण से तैयार यह कोयला न केवल पारंपरिक कोयले से सस्ता मिलेगा, साथ ही पराली की तुलना में पर्यावरण को प्रदुषित भी नहीं करेगा। इसके साथ साथ किसानों की आमदनी को भी बढ़ाएगा।

इस कोयले को तैयार करने वाले विज्ञानी विजय श्योराण व मनोज नहरा बताते हैं कि धान की फसल के बाद पराली को लेकर अभी तक सरकार व किसानों के बीच खींचतान रहती थी। किसानों को अगली फसल के लिए जमीन तैयार करने के लिए पराली जलाना फायदेमंद लगता था, वहीं सरकार पराली जलाने से होने वाले प्रदुषण को लेकर चिंतित थी। इसी समस्या को देखते हुए उन्होंने पराली प्रबंधन की दिशा में यह कदम उठाते हुए शोध कार्य किया और फॉर्मर कोल के रूप में एक अलग तरीके का कोयला तैयार किया है। उनके इस शोध में सुभाष गोयल का पूरा सहयोग रहा। वहीं कृषि विभाग से सहायक कृषि अभियंता गोपीराम सांगवान व एपीओ योगेश जाखड़ व लाडवा गौशाला से प्रधान आनंदराज के साथ साथ एचएयू के वैज्ञानिकों ने भी पूरा मार्गदर्शन किया। उन्होंने विश्वास जताया कि उनका यह प्रोजेक्ट क्रांतिकारी साबित होगा और पर्यावरण संरक्षण में अपनी अहम भूमिका निभाएगा।

विज्ञानी विजय श्योराण व मनोज नहरा व अन्य तथा पराली व गाय के गोबर से तैयार किया कोयला।

युवा वैज्ञानिकों ने बताई फार्मर कोल की खूबियां

वैबीनार में विजय श्योराण व मनोज नहरा ने पूरे विस्तार से फॉर्मर कोल की खूबियों के बारे में बताया कि यह कोयला किसानों की आय को दोगुणा करने और धान की पराली व गाय के गोबर की भी कीमत बढ़ाएगा। यह कोयला पूर्ण रूप से पर्यावरण हितैषी व प्रदूषण रहित ईंधन के रूप में इस्तेमाल किया जा सकेगा, जिसकी उच्च उष्णता है। इस कोयले को आसानी से भंडारण व सुरक्षित रूप से रखा जा सकता है। यहां तक की इस कोयले की राख भी इस्तेमाल लाई जा सकेगी।

गुगल मीट में किया प्रेजेंटेशन

इसी फॉर्मर कोल को लेकर शनिवार को गुगल मीट के माध्यम से एक वेबीनार आयोजित किया गया। इस वेबीनार में लाडवा व सातरोड के किसानों के अलावा हिसार, गुरूग्राम, झज्जर व करनाल से कृषि अधिकारी, एचएयू से डॉ डीके शर्मा, डॉ बलजीत सहारण, इंजी वेदपाल दहिया, जीजेयू से डॉ अनीता किरोलिया, इन्वायरमेंट इंजीनियर डॉ सुंदर सिंह व पंजाब विश्वविद्यालय और कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय से कई प्रोफेसर व अधिकारी जुड़े।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....झमर उजाला.....

दिनांक 18.4.2021.....पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....4-6.....

अविष्कार

प्रदूषण रोकने के साथ-साथ बढ़ेगी किसानों की आय

हिसार के दो युवा वैज्ञानिकों ने पराली व गाय के गोबर से बनाया फार्मर रोल

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। शहर के दो युवा वैज्ञानिकों ने पराली व गाय के गोबर से कोयला (फार्मर रोल) तैयार किया है। इन युवा वैज्ञानिकों की मानें तो गोबर व पराली के मिश्रण से तैयार यह कोयला न केवल पारंपरिक कोयले से सस्ता मिलेगा, बल्कि पराली की तुलना में पर्यावरण को प्रदूषित भी नहीं करेगा।

कोयले को तैयार करने वाले विजय श्योराण व मनोज नेहरा ने बताया कि पराली प्रबंधन की दिशा में उन्होंने शोध कार्य किया। उनके इस शोध में सुभाष गोयल का पूरा सहयोग रहा। वे शनिवार को गूगल मीट के माध्यम से आयोजित एक वेबिनार को संबोधित कर रहे थे। वेबिनार में हिसार, गुरुग्राम, झज्जर व करनाल से कृषि अधिकारी, एचएयू से डॉ. डीके शर्मा, डॉ. बलजीत सहारण, इंजी वेदपाल दहिया, जीजेयू से डॉ. अनीता किरोलिया आदि कई अधिकारी जुड़े। इस दौरान विजय व मनोज ने इस कोयले की खूबियां बताईं और कहा कि यह कोयला किसानों की आय को दोगुना करने और धान की पराली व गाय के गोबर की भी कीमत बढ़ाएगा।

एचएयू के वैज्ञानिकों ने किया मार्गदर्शन : विजय और मनोज ने बताया कि कृषि विभाग से सहायक कृषि अभियंता गोपीराम सांगवान व एपीओ योगेश जाखड़ व लाडवा गोशाला से प्रधान आनंदराज के साथ-साथ

युवा विज्ञानियों द्वारा बनाए गए फार्मर रोल।

एचएयू के वैज्ञानिकों ने भी पूरा मार्गदर्शन किया। उन्होंने विश्वास जताया कि उनका यह प्रोजेक्ट क्रांतिकारी साबित होगा और पर्यावरण संरक्षण में अपनी अहम भूमिका निभाएगा। विजय व मनोज ने इस कोयले की खूबियां बताईं और कहा कि यह कोयला किसानों की आय को दोगुना करने और धान की पराली व गाय के गोबर की भी कीमत बढ़ाएगा। जिससे कि किसानों की आमदनी बढ़ सके।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........दैनिक भास्कर........

दिनांक 18.4.2021....पृष्ठ संख्या....2.....कॉलम....1-5.....

हिसार के युवाओं ने पराली व गोबर से तैयार किया कोयला

पराली जलाने की नहीं पड़ेगी आवश्यकता, पर्यावरण प्रदूषण होने से भी बचाया जा सकेगा, किसानों की आय होगी दोगुनी

भास्कर न्यूज़ | हिसार

हिसार के दो युवा विज्ञानियों ने करीब दो साल की रिसर्च के बाद पराली और गाय के गोबर से फार्मर कोयला तैयार किया है। गोबर व पराली के मिश्रण से तैयार यह कोयला न केवल पारंपरिक कोयले से सस्ता मिलेगा, साथ ही पराली की तुलना में पर्यावरण को प्रदूषित भी नहीं करेगा। इसके साथ साथ किसानों की आमदनी को भी बढ़ाएगा।

इस कोयले को तैयार करने वाले विज्ञानी विजय श्योराण व मनोज नेहरा बताते हैं कि धान की फसल के बाद पराली को लेकर अभी तक सरकार व किसानों के बीच खींचतान रहती थी। किसानों को अगली फसल के लिए जमीन तैयार करने के लिए पराली जलाना फायदेमंद लगता था, वहीं सरकार पराली जलाने से होने वाले प्रदूषण को लेकर चिंतित थी। इसी समस्या को देखते हुए उन्होंने पराली प्रबंधन की दिशा में यह कदम उठाते हुए शोध कार्य किया और फॉर्मर कोल के रूप में एक अलग तरीके का कोयला तैयार किया है। उनके इस शोध में सुभाष गोयल का पूरा सहयोग रहा। वहीं कृषि विभाग से सहायक कृषि अभियंता गोपीराम सांगवान व एपीओ योगेश जाखड़ व लाडवा गौशाला से प्रधान आनंदराज के साथ साथ एचएयू के वैज्ञानिकों ने भी पूरा मार्गदर्शन किया। उन्होंने विश्वास जताया कि उनका यह प्रोजेक्ट क्रांतिकारी साबित होगा और पर्यावरण संरक्षण में अपनी अहम भूमिका निभाएगा।

कोयले के जलने के बाद राख खाद का करेंगी काम

मनोज नेहरा ने बताया कि तैयार किए गए कोयले से कार्बन डाइआक्साइड गैस निकलेगी। प्रदूषण स्तर भी ज्यादा नहीं होगा। बताया कि वह एक घंटे में करीब 100 किलोग्राम कोयला तैयार कर सकते है। खासियत यह होगी कोयले के जलने के बाद होने वाली राख को भी खाद्य के रूप में इस्तेमाल किया जा सकेगा। क्योंकि पराली में पोटेशियम काफी अधिक होता है।

गूगल मीट में किया प्रजेंटेशन

इसी फॉर्मर कोल को लेकर शनिवार को गूगल मीट के माध्यम से एक वेबीनार आयोजित किया गया। इस वेबीनार में लाडवा व सातरोड के किसानों के अलावा हिसार, गुरूग्राम, झज्जर व करनाल से कृषि अधिकारी, एचएयू से डॉ डीके शर्मा, डॉ बलजीत सहारण, इंजी वेदपाल दहिया, जीजेयू से डॉ अनीता किरोलिया, इन्वायरमेंट इंजीनियर डॉ सुंदर सिंह व पंजाब विश्वविद्यालय और कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय से कई प्रोफेसर व अधिकारी जुड़े। इस वेबीनार में विजय श्योराण व मनोज नहरा ने पूरे विस्तार से फॉर्मर कोल की खूबियों को रखा। उन्होंने कहा कि यह कोयला किसानों की आय को दोगुणा करने और धान की पराली व गाय के गोबर की भी कीमत बढ़ाएगा। यह कोयला पूर्ण रूप से पर्यावरण हितैषी व प्रदूषण रहित ईंधन के रूप में इस्तेमाल किया जा सकेगा, जिसकी उच्च उष्णता है। इस कोयले को आसानी से भंडारण व सुरक्षित रूप से रखा जा सकता है। यहां तक की इस कोयले की राख भी इस्तेमाल लाई जा सकेगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ....दैनिक जागरण....

दिनांक 18.4.2021 ....पृष्ठ संख्या ....2.... कॉलम ....1-4....

पहल हिसार के दो युवाओं ने बनाया फॉर्मर कोल, पर्यावरण प्रदूषण रोकने के साथ-साथ बढ़ाएगा किसानों की आय

गाय के गोबर और पराली से तैयार किया कोयला

जागरण संवाददाता, हिसार: पर्यावरण प्रदूषण को कम करने में पराली और गाय के गोबर दोनों ही मदद कर सकता है। हिसार के दो युवाओं ने फॉर्मर कोल के रूप में इस समस्या का समाधान निकाला है। गोबर व पराली के मिश्रण से तैयार यह कोयला न केवल पारंपरिक कोयले से सस्ता मिलेगा, साथ ही पराली की तुलना में पर्यावरण को प्रदूषित भी नहीं करेगा। इसके साथ साथ किसानों की आमदनी को भी बढ़ाएगा।

मनोज और विजय अपने प्लांट पर फॉर्मर कोल बनाते हुए। ● सौजन्य- मनोज

उच्च उष्णता की है क्षमता

यह कोयला किसानों की आय को दोगुना करने और धान की पराली व गाय के गोबर की भी कीमत बढ़ाएगा। यह कोयला पूर्ण रूप से पर्यावरण हितैषी व प्रदूषण रहित ईंधन के रूप में इस्तेमाल किया जा सकेगा, जिसकी उच्च उष्णता है।

इस कोयले को तैयार करने वाले विजय श्योराण कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय बीएससी कंप्यूटर साइंस के विद्यार्थी रहे हैं तो मनोज नहरा हिसार में कृषि विभाग में असिस्टेंट प्रोग्राम अफसर के रूप में तैनात हैं। उन्होंने इस पर शोध कर इसे कम कार्बनडाई ऑक्साइड देने वाला कोयला बनाया है। इसके साथ ही यह पूरी तरह से आर्गेनिक है इसलिए इसकी राख का प्रयोग भी किया जा सकता है।

यहां से आया शोध को लेकर विचार : मनोज ने एचएयू से एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग में बीटेक की फिर गुरु जंभेश्वर तकनीकि एवं प्रोद्यौगिकी विश्वविद्यालय से पर्यावरण इंजीनियरिंग में एमटेक के बाद आइआइटी दिल्ली से आगे की पढ़ाई की । इसके बाद कृषि विभाग में ज्वाइन कर लिया। तभी उनकी मुलाकात विजय श्योराण से हुई। दोनों ने मिलकर शोध करने शुरू किए। फिर धान की पराली गाय के गोबर को अपने मिश्रण में मिलाया। क्योंकि गोबर काफी अच्छे से जलता है। पर्यावरण विभाग में टेस्टिंग कराई तब जाकर कोयला को हरी झंडी मिली। इस कोयला को एचएयू के अलग-अलग विभागों में टेस्ट कराया गया तब जाकर यह अंतिम रूप में पहुंचा। वह बताते हैं कि अभी इसे बनाने की लागत 5 रुपये प्रति किलोग्राम आ रही है। उनके इस शोध में सुभाष गोयल का पूरा सहयोग रहा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम............दैनिक भास्कर............

दिनांक 18.4.2021...पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....5-8......

वीसी डॉ. बीआर कंबोज के कुशल नेतृत्व में आगे बढ़ेगी एचएयू : यूनियन

हिसार | एचएयू एससी एसटी कर्मचारी यूनियन का प्रतिनिधिमंडल शनिवार को प्रधान राजेश ग्रेवाल के नेतृत्व में एचएयू के नवनियुक्त कुलपति डॉ. बीआर कंबोज से मिला और उन्हें कार्यभार संभालने पर बधाई दी।

प्रतिनिधिमंडल ने विश्वास जताया कि डॉ कंबोज के कुशल नेतृत्व में एचएयू किसानों के हित व आर्थिक दशा को सुधारने के लिए नई -नई तकनीकों का विकास करेगा। इस मौके पर प्रधान राजेश ग्रेवाल के अलावा श्रवण निरोल, दिनेश मांगल, राजेश झाझिया, वीरेंद्र कुमार, राजेश भारती, रविंद्र इंदौरा, राम स्वरूप, आनंद प्रकाश, केएल नूनिया सहित कार्यकारिणी के अन्य सदस्य मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दिव्य हिमाचल	17.04.2021	--	--

डॉ. बी.आर. कंबोज होंगे हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नए कुलपति

हिसार(एस.जैन)। डॉ. बी.आर. कंबोज हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के नए कुलपति होंगे। यह फैसला शुक्रवार को विश्वविद्यालय के प्रबंधन मंडल की बैठक में लिया गया। इससे पहले डॉ. कंबोज इसी विश्वविद्यालय के कुलसचिव पद पर कार्यरत थे। डॉ. कंबोज इसी विश्वविद्यालय के विद्यार्थी भी रहे हैं और कुलसचिव बनने से पहले वे विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र यमुनानगर में वरिष्ठ संयोजक रह चुके हैं। डॉ. कंबोज एक अंतरराष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिक हैं और उनके बहुत से रिसर्च पेपर अंतरराष्ट्रीय स्तर के जर्नल में प्रकाशित हुए हैं। पिछले नौ महीने से महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय करनाल के कुलपति प्रो. समर सिंह को हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा हुआ था। प्रो. समर सिंह ने पिछले वर्ष 16 जुलाई को कार्यभार संभाला था।

मूल रूप से ग्रामीण अंचल से रखते हैं संबंध

मूल रूप से करनाल जिले के दाहा गांव के रहने वाले डॉ. बलदेव राज कंबोज ने प्रारंभिक शिक्षा राजकीय उच्च विद्यालय

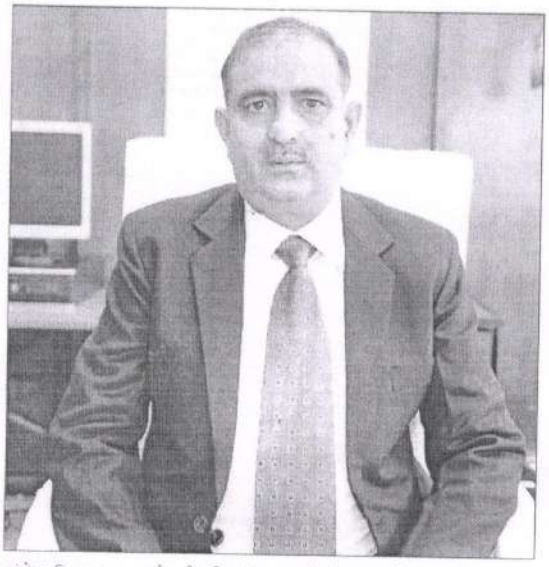

सधोहा जिला करनाल से पूरी की। डॉ. कंबोज शुरू से ही प्रतिभा के धनी रहे हैं और अपनी शैक्षणिक परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इसके बाद हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार से ही स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी की डिग्री हासिल की। डॉ. कंबोज को अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट सीआईएमएमवाईटी-आईआरआरआई-सीएसआईएसए में हरियाणा की ओर से तीन साल का हब कोर्डिनेटर (सीनियर रिसर्च मैनेजर) का अनुभव भी है। इसके अलावा हरियाणा राज्य से संबंध रखने वाले डॉ. कंबोज को 26 वर्ष से भी अधिक का अध्यापन, अनुसंधान और विस्तार शिक्षा की गतिविधियों का अनुभव भी है। इसमें 11 साल से भी अधिक विश्वविद्यालय के प्रोफेसर का अनुभव शामिल है। इनके पूरे सेवाकाल में विस्तार शिक्षा की गतिविधियों का अनुभव इनका सबसे ज्यादा है और वे किसानों की आम समस्याओं, उनकी जरूरतों और उनके आर्थिक-सामाजिक स्तर से अच्छी तरह से वाकिफ हैं। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के साथ सामूहिक रूप से अनुसंधान कार्य और विस्तार गतिविधियों के चलते उनके द्वारा की गई सिफारिशों को विश्वविद्यालय की समग्र सिफारिशों में शामिल किया गया है। विश्वविद्यालय में कुलसचिव के पद पर रहते हुए भी उन्होंने कई विश्वविद्यालय के हित के लिए काम किए हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जगमार्ग	17.04.2021	--	--

डॉ. बीआर कंबोज होंगे हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नए कुलपति

- वर्तमान में इसी विश्वविद्यालय के कुलसचिव पद पर थे कार्यरत, इसी विश्वविद्यालय के रहे हैं विद्यार्थी
- मूल रूप से ग्रामीण अंचल से रखते है संबंध

जगमार्ग न्यूज

हिसार। डॉ. बीआर कंबोज हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के नए कुलपति होंगे। यह फैसला शुक्रवार को विश्वविद्यालय के प्रबंधन मंडल की बैठक में लिया गया। इससे पहले डॉ. कंबोज इसी विश्वविद्यालय के कुलसचिव पद पर कार्यरत थे। डॉ. कंबोज इसी विश्वविद्यालय के विद्यार्थी भी रहे हैं और कुलसचिव बनने से पहले वे विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र यमुनानगर में वरिष्ठ संयोजक रह चुके हैं। डा. कंबोज एक अंतरराष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिक हैं और उनके बहुत से रिसर्च पेपर अंतरराष्ट्रीय स्तर के जर्नल में प्रकाशित हुए हैं। पिछले नौ महीने से महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय करनाल के कुलपति प्रो. समर सिंह को हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा हुआ था। प्रो समर सिंह ने पिछले वर्ष 16 जुलाई को कार्यभार संभाला था। मूल रूप से करनाल जिले के दाहा गांव के रहने वाले डॉ. बलदेव राज कंबोज ने प्रारंभिक शिक्षा राजकीय उच्च विद्यालय मंघोहा जिला करनाल से पूरी की। डॉ. कंबोज शुरू से ही प्रतिभा के धनी रहे हैं और अपनी शैक्षणिक परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इसके बाद हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार से ही स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी की डिग्री हासिल की। विश्वविद्यालय में कुलसचिव के पद पर रहते हुए भी उन्होंने कई विश्वविद्यालय के हित के लिए काम किए हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....सभ्य उजाला.....

दिनांक 19.4.2021...पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....1-2.....

कृषि विशेषज्ञ की सलाह

डॉ. एसके सहरावत

टमाटर की फसल में छह-सात दिनों के अंतर पर करें सिंचाई

टमाटर की फसल में नाइट्रोजन वाली खाद खड़ी फसल में दो बार दें। पहली पौधरोपण के लगभग 3 सप्ताह बाद व दोबारा पहली मात्रा के एक महीने बाद। हर बार 12.5 किग्रा नाइट्रोजन (27 किग्रा यूरिया) प्रति एकड़ की दर से दें। खाद देने के बाद सिंचाई करना न भूलें।

गर्मी के दिनों में 6 से 7 दिनों के अंतर पर सिंचाई करने की आवश्यकता होती है। रस चूसने वाले कीटों को मारने के लिए 400 एमएल मैलाथियान 50 ईसी को 250 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ छिड़कें। इस छिड़काव से टमाटर के वायरस रोगों की रोकथाम भी हो जाएगी। फल छेदक के लिए एक लीटर निंबीसीडीन को 250 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ छिड़कें।

डॉ. एसके सहरावत
अनुसंधान निदेशक
एचएयू, हिसार।

उधर बैंगन की फसल में गर्मी के महीनों में सिंचाई का ध्यान रखें और खरपतवार निकालें। फलों को कच्ची व नरम अवस्था में तोड़ें और तोड़ते समय यह उचित होगा कि किसी तेज चाकू या ऐसे अन्य औजार का प्रयोग करें, जिससे टहनियां न टूटें। खड़ी फसल में 2 बार में 28 किलोग्राम नाइट्रोजन (14+14) प्रति एकड़ की दर से दें। पहली मात्रा रोपाई के 30 दिन बाद और दूसरी मात्रा 60 दिन बाद लगाएं। वहीं मिर्च की फसल में प्लानोफिक्स या पौध वर्धक रसायन 40 मिली दवा को 150 लीटर पानी में मिलाकर फूल आने के समय छिड़काव करें। इस दवा के प्रयोग से फलफूल गिरने की समस्या काफी हद तक रुक जाती है। थ्रिप्स, अल और सफेद मक्खी से रक्षा करने के लिए 400 मिली. मैलाथियान 50 ईसी को 250 लीटर पानी में घोलकर प्रति एकड़ छिड़कें। छिड़काव 15-20 दिन के बाद दोहराएं। इस छिड़काव से मिर्च के वायरस रोगों की भी रोकथाम हो जाएगी।

(संदीप बिश्नोई, हिसार)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिसार टूडे	**17.04.2021**	--	--

डॉ. बी.आर. कंबोज होंगे चौधरी चरण सिहं हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नए कुलपति

टुडे न्यूज | हिसार

डॉ. बी.आर. कंबोज चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के नए कुलपति होंगे। यह फैसला शुक्रवार को विश्वविद्यालय के प्रबंधन मंडल की बैठक में लिया गया। इससे पहले डॉ. कंबोज इसी विश्वविद्यालय के कुलसचिव पद पर कार्यरत थे। डॉ. कंबोज इसी विश्वविद्यालय के विद्यार्थी रहे हैं और कुलसचिव बनने से पहले वे विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र यमुनानगर में वरिष्ठ संयोजक रह चुके हैं। वे एक अंतरराष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिक हैं और उनके बहुत से रिसर्च पेपर अंतरराष्ट्रीय स्तर के जर्नल में प्रकाशित हुए हैं।

पिछले नौ महीने से महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय करनाल के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह को हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा हुआ था। प्रोफेसर समर सिंह ने 16 जुलाई को कार्यभार संभाला था। मूल रूप से करनाल जिले के दाहा गांव के रहने वाले डॉ. बलदेव राज कंबोज ने प्रारंभिक शिक्षा राजकीय उच्च विद्यालय संघोहा जिला करनाल से पूरी की। डॉ. कंबोज शुरू से ही प्रतिभा के धनी रहे हैं और अपनी शैक्षणिक परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इसके बाद चौधरी चरण सिह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार से ही स्नात्तक, स्नातकोत्तर और पी.एचडी.की डिग्री हासिल की। डॉ. कंबोज को अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट सीआईएमएमवाईटी-आईआरआरआई-सीएसआईएसए में हरियाणा की ओर से तीन साल का हब कोर्डिनेटर (सीनियर रिसर्च मैनेजर) का अनुभव भी है। इसके अलावा हरियाणा राज्य से संबंध रखने वाले डॉ. कंबोज को 26 वर्ष से भी अधिक का अध्यापन, अनुसंधान और विस्तार शिक्षा की गतिविधियों का अनुभव भी है। इसमें 11 साल से भी अधिक विश्वविद्यालय के प्रोफेसर का अनुभव शामिल है।

विश्वविद्यालय के नए कुलपति डॉ. बी.आर. कंबोज का फाइल फोटो।

इनके पूरे सेवाकाल में विस्तार शिक्षा की गतिविधियों का अनुभव इनका सबसे ज्यादा है और वे किसानों की आम समस्याओं, उनकी जरूरतों और उनके आर्थिक-सामाजिक स्तर से अच्छी तरह से वाकिफ हैं। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के साथ सामूहिक रूप से अनुसंधान कार्य और विस्तार गतिविधियों के चलते उनके द्वारा की गई सिफारिशों को विश्वविद्यालय की समग्र सिफारिशों में शामिल किया गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
आज समाज	18.04.2021	--	--

कंबोज बने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति

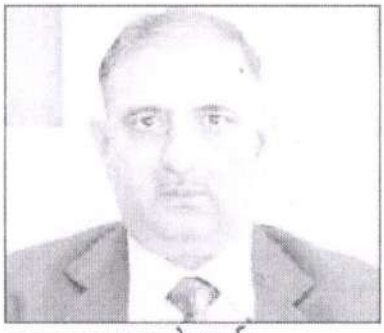

आज समाज नेटवर्क

हिसार। डॉ. बीआर कंबोज चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के नए कुलपति होंगे। यह फैसला शुक्रवार को विश्वविद्यालय के प्रबंधन मंडल की बैठक में लिया गया। इससे पहले डॉ. कंबोज इसी विश्वविद्यालय के कुलसचिव पद पर कार्यरत थे। डॉ. कंबोज इसी विश्वविद्यालय के विद्यार्थी रहे हैं और कुलसचिव बनने से पहले वे विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र यमुनानगर में वरिष्ठ संयोजक रह चुके हैं। वे एक अंतरराष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिक हैं और उनके बहुत से रिसर्च पेपर अंतरराष्ट्रीय स्तर के जर्नल में प्रकाशित हुए हैं। गौरतलब है कि पिछले नौ महीने से महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय करनाल के कुलपति प्रोफसर समर सिंह को हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा हुआ था। प्रोफेसर समर सिंह ने 16 जुलाई को कार्यभार संभाला था।

बता दें कि मूल रूप से करनाल जिले के दाहा गांव के रहने वाले डॉ. बलदेव राज कंबोज ने प्रारंभिक शिक्षा राजकीय उच्च विद्यालय संघोहा जिला करनाल से पूरी की। डॉ. कंबोज शुरू से ही प्रतिभा के धनी रहे हैं और अपनी शैक्षणिक परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इसके बाद चौधरी चरण सिह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार से ही स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडीकी डिग्री हासिल की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	17.04.2021		

डॉ. बी.आर. कंबोज बने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नए कुलपति

हैलो हिसार न्यूज

हिसार: डॉ. बी.आर. कंबोज चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के नए कुलपति बने। यह फैसला शुक्रवार को विश्वविद्यालय के प्रबंधन मंडल की बैठक में लिया गया। इससे पहले डॉ. कंबोज इसी विश्वविद्यालय के कुलसचिव पद पर कार्यरत थे। डॉ. कंबोज इसी विश्वविद्यालय के विद्यार्थी रहे हैं और कुलसचिव बनने से पहले वे विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र यमुनानगर में वरिष्ठ संयोजक रह चुके हैं। वे एक अंतरराष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिक हैं और उनके बहुत से रिसर्च पेपर अंतरराष्ट्रीय स्तर के जर्नल में प्रकाशित हुए हैं। उन्होंने शुक्रवार को विश्वविद्यालय में नए कुलपति का कार्यभार ग्रहण कर लिया है। मूल रूप से करनाल जिले के दाहा गांव में जन्में डॉ. बलदेव राज कंबोज ने प्रारंभिक शिक्षा राजकीय उच्च विद्यालय संघोहा जिला

करनाल से पूरी की। इसके बाद चौधरी चरण सिह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार से ही स्नात्तक, स्नातकोत्तर और पी.एचडी.की डिग्री हासिल की। डॉ. कंबोज शुरू से ही प्रतिभा के धनी रहे हैं और अपनी शैक्षणिक परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। डॉ. कंबोज को अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट सीआईएमएमवाईटी-आईआरआरआई-सीएसआईएसए में हरियाणा की ओर से तीन साल का हब कोर्डिनेटर (सीनियर रिसर्च मैनेजर) के पद को सफलतापूर्वक निभा चुके हैं। इसके अलावा हरियाणा राज्य से संबंध रखने वाले डॉ. कंबोज को 26 वर्ष से भी अधिक का अध्यापन, अनुसंधान और विस्तार शिक्षा की गतिविधियों का अनुभव भी है। इसमें 11 साल से भी अधिक विश्वविद्यालय के प्रोफेसर का अनुभव शामिल है। इनके पूरे सेवाकाल में विस्तार शिक्षा की गतिविधियों का अनुभव इनका सबसे ज्यादा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी दिल्ली	18.04.2021	--	--

डॉ. बी.आर. कंबोज होंगे हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नए कुलपति

हिसार, राज पराशर (पंजाब केसरी) : डॉ. बी.आर. कंबोज हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के नए कुलपति होंगे। यह फैसला शुक्रवार को विश्वविद्यालय के प्रबंधन मंडल की बैठक में लिया गया। इससे पहले डॉ. कंबोज इसी विश्वविद्यालय के कुलसचिव पद पर कार्यरत थे। डॉ. कंबोज इसी विश्वविद्यालय के विद्यार्थी भी रहे हैं और कुलसचिव बनने से पहले वे विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र यमुनानगर में वरिष्ठ संयोजक रह चुके हैं। डा. कंबोज एक अंतरराष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिक हैं और उनके बहुत से रिसर्च पेपर अंतरराष्ट्रीय स्तर के जर्नल में प्रकाशित हुए हैं। पिछले नौ महीने से महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय करनाल के कुलपति प्रो. समर सिंह को हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा हुआ था। प्रो. समर सिंह ने पिछले वर्ष 16 जुलाई को कार्यभार संभाला था।

मूल रूप से ग्रामीण अंचल से रखते हैं संबंध: मूल रूप से करनाल जिले के दाहा गांव के रहने वाले डॉ. बलदेव राज कंबोज ने प्रारंभिक शिक्षा राजकीय उच्च विद्यालय संघोहा जिला करनाल से पूरी की। डॉ. कंबोज शुरू से ही प्रतिभा के धनी रहे हैं और अपनी शैक्षणिक परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इसके बाद हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार से ही स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी की डिग्री हासिल की। डॉ. कंबोज को अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट सीआईएमएमवाईटी-आईआरआरआई-सीएसआईएसए में हरियाणा की ओर से तीन साल का हब कोर्डिनेटर (सीनियर रिसर्च मैनेजर) का अनुभव भी है। इसके अलावा हरियाणा राज्य से संबंध रखने वाले डॉ. कंबोज को 26 वर्ष से भी अधिक का अध्यापन, अनुसंधान और विस्तार शिक्षा की गतिविधियों का अनुभव भी है। इसमें 11 साल से भी अधिक विश्वविद्यालय के प्रोफेसर का अनुभव शामिल है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सर्कल एप न्यूज पोर्टल	**18.04.2021**	--	--

circle

Select District ▼ ◀ Rajasthan Uttar Pradesh Bihar Madhya Pradesh

कुलपति, विश्वविद्यालय के लिए बताया अपना विजन

17 April 2021 17:04 PM | हिसार

शेयर करें :

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार को प्रगति के पथ पर बढ़ते हुए नई ऊंचाइयों की ओर ले जाना ही मुख्य लक्ष्य होगा। इसके लिए काम को ही प्राथमिकता दी जाएगी। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के नवनियुक्त कुलपति प्रोफेसर बी.आर.कंबोज ने कार्यभार संभालने के बाद प्रेस कांफें्रस में मीडिया से रूबरू होते हुए कहे। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान रखता

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जी पंजाब, हरियाणा हिमाचल न्यूज चैनल	**18.04.2021**	--	--

HAU के नये वीसी प्रोफेसर बीआर कम्बोज से ज़ी मीड़िया की खास बातचीत

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
प्रथम तहलका न्यूज चैनल	**18.04.2021**	--	--

विश्विद्यालय नई कृषि तकनीकों पर काम करेगा- प्रोफेसर बीआर कंबोज

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पब्लिक एप्प न्यूज चैनल	**18.04.2021**	--	--

public

हिसार: हिसार HAU के नए कुलपति प्रोफेसर बीआर कंबोज ने पत्रकार वार्ता कर विश्वविद्यालय के प्रति अपने विजन पर दिया संदेश

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरियाणा न्यूज एक्सप्रेस	**18.04.2021**	--	--

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार का लक्ष्य किसानों की शुद्ध

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
फास्ट मीडिया न्यूज	**18.04.2021**	--	--

FAST MEDIA NEWS

Fast media news

News & Media Website

Send Messa

Home Groups Reviews Videos More Like

Fast media news
April 17 at 5:32 PM

विश्वविद्यालय को नई ऊंचाइयों पर ले जाना ही है लक्ष्य : प्रोफेसर बी.आर. कंबोज
प्रेस से रूबरू हुए एचएयू के नवनियुक्त कुलपति, विश्वविद्यालय के लिए बताया अपना विजन
कहा किसानों की आर्थिक व सामाजिक दशा में हो सुधार, साथ ही विद्यार्थियों को मिले अंतरराष्ट्रीय स्तर की शिक्षा
हिसार: 17 अप्रैल
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार को प्रगति के पथ पर बढ़ते हुए नई ऊंचाइयों की ओर ले जाना ही मुख्य लक्ष्य होगा। इसके लिए काम को ही प्राथमिकता दी जाएगी। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के नवनियुक्त कुलपति प्रोफेसर बी.आर.कंबोज ने कार्यभार संभालने के बाद प्रेस कांफ्रेंस में मीडिया से रूबरू होते हुए कहे। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान रखता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य किसान समुदाय के लिए और अधिक बेहतर कार्य करने का होगा। उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे किसानों की समस्याओं व जरूरतों और बदलती भौगोलिक परिस्थितयों को ध्यान में रखकर अनुसंधान कार्य करें और बदलते पर्यावरण के अनुसार ज्यादा पैदावार वाली फसलों की किस्में विकसित करें और फसलों की सस्य क्रियाओं को संशोधित करें ताकि किसानों को अधिक से अधिक फायदा मिल सके जिससे किसानों का आर्थिक व सामाजिक स्तर पर उत्थान होगा। उन्होंने कहा कि उनका जल संरक्षण के साथ-साथ माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा किसानों की आमदनी को दोगुणा करने के लक्ष्य पर भी जोर रहेगा। उन्होंने कहा कि उनका मकसद शैक्षणिक, अनुसंधान व विस्तार शिक्षा की गतिविधियों को और मजबूत बनाना होगा ताकि विद्यार्थियों व किसानों को अधिक से अधिक फायदा हो सके।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	17.04.2021	--	--

कर्मचारी संघ ने दी नवनियुक्त कुलपति को बधाई

हिसार, राज पराशर (पंजाब केसरी): हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अनुसूचित जाति/जनजाति कर्मचारी संघ प्रतिनिधिमंडल ने नवनियुक्त कुलपति डा. बी.आर. कंबोज को कार्यभार संभालने पर दी बधाई दी है। इस संबंध में कर्मचारी संघ का प्रतिनिधिमंडल महासचिव राजकुमार गंगवानी की अध्यक्षता में नवनियुक्त कुलपति डा. बी.आर. कंबोज से मिला और उनको पदभार ग्रहण करने पर बधाई दी। संघ प्रतिनिधिमंडल ने डा. कंबोज को विश्वविद्यालय का कुलपति नियुक्त करने पर राज्य सरकार का आभार जताया। महासचिव राजकुमार गंगवानी ने बताया कि डा. बीआर कम्बोज ने विश्वविद्यालय में कुलसचिव पद पर रहते हुए विश्वविद्यालय के गैर शिक्षक कर्मचारियों के हित में काफी सराहनीय फैसले लिए और कर्मचारी हितों के लिए काम किया। प्रतिनिधिमंडल में महासचिव राजकुमार गंगवानी सहित वरिष्ठ उपप्रधान सुरेंद्र राणा, कार्यालय सचिव ओमप्रकाश, मुख्य सलाहकार सुनील कुमार, सहसचिव दीपक पंवार, गोपीराम व शिवकुमार आदि भी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ...... अमर उजाला ......

दिनांक 19.4.2021 ...... पृष्ठ संख्या ...... 2 ...... कॉलम 1-6 ......

मिसाल

एचएयू के एबिक से ली थी ट्रेनिंग, प्लास्टिक की जगह बायोडिग्रेडल वस्तुएं बना रहे गौरव

जूट की मार्केट से पहले ही साल में एक करोड़ का टर्नओवर

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। एक वर्ष पहले प्लास्टिक के कारण लगातार बढ़ रहे प्रदूषण और इसके उपयोग से हो रहे नुकसानों को लेकर लोग केवल बात कर रहे थे। इधर, करनाल के गांव फरीदपुर के बीटेक पास गौरव के मन में प्लास्टिक की मार्केट के बीच समाधान के रूप में जूट के उत्पादों को उतारने की उधेड़बुन चल रही थी। कई महीनों तक लोगों की बातें सुनने और देश-विदेश में जूट से बने बैगों व अन्य सामान को लेकर अध्ययन किया और फिर जूट से बैग बनाने का काम शुरू कर दिया।

काम में अपेक्षा के अनुरूप सफलता नहीं मिली तो साथ दिया चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के एग्री बिजनेस एंड इंक्यूबेशन सेंटर (एबिक) ने। इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंस्ट्रूमेंटेशन से बीटेक करने वाले गौरव ने इस सेंटर से वह सब कुछ सीखा जो स्टार्टअप से पहले सीखना चाहिए। ट्रेनिंग के बाद गौरव ने गांव से 13 किलोमीटर दूर पानीपत में अपना काम शुरू किया। अब वे अपना जूट से बना सामान देश-विदेश में ऑनलाइन बेचते हैं। पहले ही साल में उनका टर्नओवर एक करोड़ से अधिक पहुंच गया।

जूट से पोट बनाते गौरव।

जूट का काम करती महिला। संवाद

29 साल के गौरव 30 लोगों को दे रहे नौकरी : गौरव की उम्र 29 वर्ष है और उनके पास अब 30 लोग काम करते हैं। इनमें से ज्यादातर महिलाएं हैं। वे कहते हैं कि आने वाले समय में धीरे-धीरे टीम के साथ मिलकर अपने डिजाइन बनाएंगे और इसके बाद अपना खुद का पोर्टल। इसे वे इंटरनेशनल लेवल पर लांच करेंगे। पिछले एक साल में उन्होंने काफी नए प्रोडक्ट डिजाइन भी किए हैं, जिस कारण ऑनलाइन ही उनके पास 70 ऑर्डर प्रतिदिन आने लगे हैं।

इजराइल में भी जा रहे उत्पाद

गौरव बताते हैं कि जूट को आसानी से बायोडिग्रेड किया जा सकता और इसका कोई नुकसान नहीं है। आरंभ में एक-दो ऑर्डर आते थे। इसके बाद एचएयू के एबिक से ट्रेनिंग ली। वहां कैसे ब्रांड बनाना है, कैसे इन्वेस्ट करना है, कितना कैश फ्लो हो, कितना स्टॉक हो, टीम कैसे बनेगी, तकनीकी टीम कैसे बनाएं, क्वालिटी कंट्रोल पर कैसे काम करें जैसी बहुत सारी चीजें सीखने को मिलीं। इसके बाद उन्होंने अपना काम बढ़ाया और आज अमेजन पर ही वे एक करोड़ से अधिक की बिक्री कर चुके हैं। उनके बेहतर काम को देखते हुए एक्सपोर्ट्स की डिमांड पर उन्होंने इजराइल में भी अपने उत्पाद भेजे।

क्या बनाते हैं : प्लास्टिक के पफिज (बैठने के लिए), फ्लावर पोट, कारपेट, टेबल मेट, लांड्री बास्केट, हैंगर, की स्टैंड, टेबल पैन स्टैंड व होम फर्नीशिंग से संबंधित अन्य उत्पाद।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम...दैनिक जागरण...

दिनांक 18.4.2021 पृष्ठ संख्या 4 कॉलम 6-8

मौसम के अनुकूल अधिक उपज देने के लक्ष्य के साथ काम करेगा एचएयू

जागरण संवाददाता, हिसारः चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नवनियुक्त कुलपति प्रो. बीआर कंबोज ने कार्यभार संभालने के बाद शनिवार को अपने विजन को प्रेस वार्ता में साझा किया।

उन्होंने कहा कि आज का समय में चुनौती भरा है। आबादी दिनों दिन बढ़ रही है और अत्यधिक संसाधनों के दोहन के कारण हमारे पास सीमित संसाधन हैं। ऐसे में अब से विश्वविद्यालय का लक्ष्य होगा कि सीमित संसाधनों का प्रयोग करते हुए उपज बढ़ाने वाली फसलों पर जोर दिया जाए और ऐसी फसलें जो विपरीत मौसम को भी झेलने की शक्ति रखती हों। इस तरह से हम पीएम नरेंद्र मोदी का किसानों की आय को दोगुना करने का लक्ष्य भी पूरा करने की तरफ बढ़ेंगे। विज्ञानी इस दिशा में काम भी कर रहे हैं। विश्वविद्यालय की अंतरराष्ट्रीय ख्याति को बनाए रखने के लिए शिक्षक व गैर शिक्षकों की बेहतरीन टीम के साथ मिलकर इस लक्ष्य को हासिल किया जाएगा। किसानों को लाभ पहुंचाना हमारा एकमात्र उद्देश्य है जिसे पूरा करना भी हमारे लक्ष्यों में शामिल है।

जीनोम एडिटिंग पर भी करेंगे काम : कुलपति प्रो. कंबोज ने बताया कि आज के समय में जीनोम एडिटिंग विज्ञान से जुड़े अलग-अलग क्षेत्रों में प्रयोग की जा रही है। हम भी कृषि के क्षेत्र में जीन एडिटिंग पर काम करेंगे ताकि अच्छी किस्मों को विकसित किया जा सके। एचएयू के कई विज्ञानी ऐसे हैं तो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने कार्यों के लिए जाने जाते हैं उनकी टीम बनाकर कार्य करेंगे।

विद्यार्थियों की पढ़ाई कोरोना से नहीं होने देंगे प्रभावितः कुलपति

कोरोना के बढ़ते मामलों को लेकर विद्यार्थियों को ऑनलाइन पढ़ाई में आ रही दिक्कतें पर कुलपति ने कहा कि हमारा लक्ष्य था कि बच्चों का शैक्षणिक सत्र में देरी न हो इसीलिए ऑनलाइन सिस्टम खड़ा किया। फिर विद्यार्थियों ने कहा कि कम से कम प्रैक्टिकल ऑफलाइन कराएं। इसीलिए विद्यार्थियों को बुलाया। अभी तक संक्रमण हमारे यहां नहीं पहुंचा है। मगर फिर भी हम स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं जल्द फैसला लेंगे। हमारा लक्ष्य शैक्षणिक, अनुसंधान व विस्तार शिक्षा की गतिविधियों को ओर मजबूत बनाना होगा ताकि विद्यार्थियों व किसानों को अधिक से अधिक फायदा हो सके।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....अमर उजाला.....

दिनांक 19.4.2021....पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....7.8.....

आठ एकड़ में बनाया पॉली हाउस, तरबूज के साथ प्याज का स्टोरेज

हर सीजन में 5 से 7 लाख कमा रहे मनोहर

संजय वर्मा

भिवानी। 19 साल पहले बागवानी में घाटा लगा तो बीच में ही बागवानी छोड़ दी, लेकिन हार नहीं मानी। 11 साल पहले फिर से ऑर्गेनिक तरीके से सब्जियां उगानी शुरू कीं तो न केवल घाटा दूर हुआ, बल्कि अच्छी आमदनी के साथ क्षेत्र में भी नाम हो गया। अब ऑर्गेनिक तरीके से तैयार सब्जियों की लोकल मंडी में ही अच्छी खासी डिमांड भी बनी है। हम यहां बात कर रहे हैं गांव गोपी के किसान मनोहर श्योराण की।

मनोहर 12वीं तक शिक्षित हैं, मगर उसकी केमिकल मुक्त खेती से आसपास के किसान भी काफी प्रभावित हो रहे हैं, क्योंकि सब्जी उत्पादन में वह डीएपी व यूरिया और कीटनाशकों का जरा भी इस्तेमाल नहीं करते, बल्कि खेत में ही जैविक खाद तैयार करने के लिए 200-200 लीटर की दस टंकियां भी बनाईं। अब आठ एकड़ की बागवानी में ही उसे हर सीजन पांच से सात लाख रुपये का मुनाफा भी हो रहा है।

गांव गोपी के किसान मनोहर श्योराण ने बताया कि उसने करीब आठ एकड़ भूमि में पॉली हाउस व तरबूज के अलावा प्याज का स्टोरेज हाउस बनाया हुआ है। उसने पॉली हाउस में टमाटर, हरी मिर्च, शिमला मिर्च लगा रखी हैं, जबकि एक एकड़ में तरबूज की खेती कर रहे हैं। मनोहर का कहना है कि उसने 2003 में बागवानी का छोटा सा बाग लगाया था, मगर उसमें उसे कामयाबी नहीं मिली थी। पानी की कमी और बंजर भूमि में ज्यादा कुछ नहीं हो रहा था। काफी सालों तक बागवानी की तरफ मुड़कर नहीं देखा, लेकिन फिर से बागवानी शुरू करने की ललक जरूर रही, यही वजह थी कि 2010 में फिर से उसने बागवानी शुरू कर दी। इस बार उसने ऑर्गेनिक खेती की ओर वैज्ञानिक तरीके से कदम आगे बढ़ाए। धीरे-धीरे अच्छी पैदावार होने लगी और मुनाफा भी आने लगा। इसके बाद खेती के नए-नए तौर तरीके से ऑर्गेनिक सब्जियां उगाने लगे। (संवाद)

खेत में तरबूज की आर्गेनिक खेती दिखाते किसान मनोहर। संवाद

> बागवानी के प्रति किसानों का रुझान लगातार बढ़ रहा है। मगर कुछ किसान ऐसे भी हैं, जो ऑर्गेनिक तरीके से फल, सब्जियों का उत्पादन कर रहे हैं, इन किसानों को वैज्ञानिक विधि से बागवानी के गुर भी बताए जा रहे हैं, उनकी आमदनी में तो इजाफा हो ही रहा है, साथ ही लोगों को भी अपने ही इलाके में जहर मुक्त सब्जियां व फल रियायती दामों में मिल रहे हैं। कम लागत में अच्छा उत्पादन और खुद के प्रोडक्ट की ब्रांडिंग कर अच्छा पैसा कमा सकते हैं।
>
> -डॉ. मुरारीलाल, जिला विस्तार विशेषज्ञ बागवानी, कृषि विज्ञान केंद्र भिवानी।

ऐसे तैयार होती है जैविक खाद

मनोहर के खेत में ही 200 लीटर की करीब दस प्लास्टिक की टंकियां रखी हुई हैं। इन टंकियों के अंदर ही वह जीवाणु खाद तैयार करते हैं, जिसे ड्रिप सिस्टम के जरिये फसलों में खाद के रूप में इस्तेमाल करते हैं। मिट्टी के मटके के अंदर मदर कल्चर रखता है, जिसके जरिये टंकी में गुड़ व अन्य सामग्री का घोल तैयार करता है। करीब दो सप्ताह में खाद तैयार हो जाती है।